फिनांस में इंट्रेस्ट

भुवनेश्वर के पार्थ सारथी साहू ने पहले इंजीनियरिंग में ग्रेजुएशन किया। शुरु से पढ़ाई में अच्छा रहे सारथी ने फिनांस में इंट्रेस्ट के चलते रायपुर आईआईएम में एडमिशन लिया। जहां उसके मेहनत के चलते ओवर आल परफार्मेंस के लिए गोल्ड मेडल मिला। पार्थ कहते हैं, इस संस्थान में सबके सहयोग के सांथ एक इकोफ्रेंडली माहौल के साथ पढ़ाई किया। आज जब यह मेडल मिला तो बहुत अच्छा लग रहा है।

क्षमता में और इजाफा

भोपाल के सांई दायित्व ने भी अपनी ग्रेजुएशन इंजीनियरिंग में की है। अपनी क्षमता में और इजाफा कर सकें, इसके लिए आईआईएम में एडमिशन लिया। जहां अपना एक्सिलेंस परफार्मेंस दिखाते हुए बोर्ड ऑफ गवर्नेंस का गोल्ड मेडल प्राप्त किया। सांई बताते हैं, पढ़ाई में शुरु से ही रुचि रही है जिसके कारण इस मेडल को प्राप्त कर सका। आज इसे प्राप्त करने से बहुत अच्छा लग रहा है।

मैनेजमेंट में इंट्रेस्ट

जबलपुर ट्रिपलआईटी से पास आउट गरिमा विष्ट भोपाल से हैं। पढ़ाई में शुरु से आगे रही हैं। आगे पढ़ाई करने व मैनेजमेंट में हमेशा से इंट्रेस्ट के चलते आईआईए में एडमिशन लिया। जहां अपनी उत्कृष्ट प्रदर्शनि से सेकेंड रैंक के लिए गोल्ड मेडल प्राप्त किया।

विदेश जाने वाले छात्रों की संख्या बढ़ी

संस्थान की उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए डायरेक्टर ने कहा, इस वर्ष अधिक छात्रों को इस साल सांस्कृतिक सम्प्रेषण का अवसर प्रदान किया गया है। विदेश जाने वाले छात्रों की संख्या इस वर्ष 55 तक बढ़ गई। आईआईएम रायपुर ने योग्य छात्रों को विनिमय कार्यक्रम में भाग लेने के लिए वित्तिय सहायता पेश की है। यह हर साल 30 से ज्यादा स्टूडेंट्स को आर्थिक सहायता देकर इंटरनेशनल लेवल के प्रतिष्ठित कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करते हैं।

आईआईटी रुड़की के बाद एमबीए

गोल्ड मेडल प्राप्त करने वाले प्रतीक गर्ग मूलतः कोटा के रहने वाले हैं। उन्होंने आईआईटी रूड़की से अपनी पढ़ाई की है। फिलहाल वे एक निजी बैंक में कार्यरत हैं। वे बताते हैं, शुरुआती छात्र जीवन में पढ़ाई में अच्छा नहीं होने के कारण घर में डांट पड़ती थी। बाद में पढ़ना शुरु किया तो इंजीनियरिंग के बाद एमबीए की इच्छा जागी। वे कहते हैं, इंजीनियरिंग की तुलना में एमबीए में अधिक स्कोप है, इसलिए यह क्षेत्र चुना।

नेट, यूपीएससी के बाद एमबीए

33 साल की उम्र में पीयूष ने एमबीए की डिग्री ली। इतनी उम्र में उपाधि लेने वाले वे एकमात्र छात्र रहे। वे नेट क्वालीफाइड हैं और यूपीएससी के इंटरव्यू राउंड तक पहुंच चुके हैं। महाराष्ट्र पीएससी में उनका सलेक्शन हो चुका है, लेकिन पिछले पांच सालों से कोर्ट का ऑर्डर न आने के कारण उनकी ज्वॉइनिंग अटकी है। इन सबके बीच उन्होंने एमबीए करने का फैसला लिया और अब एक निजी कंपनी में कार्यरत हैं। उनका मानना है कि अन्य क्षेत्रों की तुलना में प्रबंधन सेक्टर में करने को काफी कुछ है।

लेकर अपने कार्य में एक्सीलेंस लाएंगे। आईआईएम छात्रों को संबोधित करते हुए उक्त बातें मुख्यअतिथि रक्षामंत्री निर्मला सीतारमन ने कही। छात्रों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, चीन जैसा एक समाजवादी देश अपनी अर्थव्यवस्था को खोल रहा है और अमेरिका जैसा देश में अधिक से अधिक संरक्षणवादी होते जा रहा है। जिसके कारण सबकी नजर हमारे स्कील पर है। आईआईएम रायपुर के युवा स्टूडेंट्स वेल स्कील्ड, वेल ट्रेंड व कल्पनाशील हैं। वे लोक प्रशासन और स्थानीय ग्राम सुधार जैसे क्षेत्रों में आगे आ सकते हैं। आप यंग माइंड हैं, आप इनोवेटर हैं, आप इस देश के लिए एक अच्छे जॉब क्रिएटर की भूमिका निभा सकते हैं।

मुख्यमंत्री का ताली मैनेजमेंट

विशिष्ट अतिथि मुख्यमंत्री डॉ.रमन सिंह ने छात्रों को तालियों में भी मैनेजमेंट का उपयोग सीखा दिया। जब सीएम रमन सिंह अपनी बात रखने आए तो स्टूडेंट्स से तालियों के बारे में कहा कि आप अच्छी बात पर ताली बजा सकते हैं। यह एक मैनेजमेंट है, जिसमें आप वक्ता को अप्रीशिएट करते हैं। लेकिन जब वक्ता अच्छे से नहीं बोलता है, तो उसे भी चुप कराने के लिए कई बार ताली बजाई जाती है, लेकिन मैं इस मैनेजमेंट को समझता हूं। तो आप मेरी अच्छी बातों में ही ताली बजाएं। आईआईएम से जुड़े एक घटनाक्रम का जिक्र करते हुए सीएम रमन ने मजाकिया तौर पर कहा, जब यहां पानी की समस्या हुई तो यहां के डायरेक्टर मेरे पास आए और दो घंटे बैठने के बाद ढाई करोड़ लेकर ही गए। सीएम ने स्टूडेंट्स को भय से बचने की सीख दी। साथ ही किसी भी असफलता से निराश न होने के लिए कहा।

जिम्मेदारी के साथ करें कार्य

कार्यक्रम में शामिल बोर्ड ऑफ गवर्नर्स की अध्यक्ष श्यामला गोपीनाथ ने स्टूडेंट्स को अपने नैतिक मूल्यों को ध्यान में रखते हुए काम करने की सलाह दी। उन्होंने कहा आप जहां भी काम करें, चाहे एक कर्मचारी बनें या एक उद्यमी। अपने कार्यों को पूरी जिम्मेदारी के साथ करें। साथ ही आप अपने देश अपनी सोसायटी के लिए एक अच्छा नागरिक बनें।

151 कंपनियां आईं प्लेसमेंट के लिए

समारोह में 2016 - 2018 बैच के 147 और वर्ष 2015 - 2017 बैच के 49 विद्यार्थियों को पोस्ट ग्रेजुएट उपाधियां दी गई। कार्यक्रम में भारतीय प्रबंध संस्थान (आईआईएम) रायपुर के निदेशक डॉ. भारत भास्कर ने स्वागत भाषण में बताया, आईआईएम परिसर रायपुर में इस वर्ष 151 कम्पनियां प्लेसमेंट के लिए आयी। उन्होंने प्रबंधन विकास कार्यक्रम के अंतर्गत चल रही गतिविधियों का उल्लेख करते हुए कहा, यह संस्थान अपने नैतिक दायित्वों के साथ कार्य कर रहा है। इससे उच्च गुणवत्तापूर्ण तकनीक के साथ प्रबंधन के लिए जरूरी लक्ष्यों को हासिल करने में मदद मिल रही है। अध्यक्षता भारतीय रिजर्व बैंक की डिप्टी गवर्नर श्यामला गोपीनाथ ने की।

Haribhoomi, 11th April 2018, P.14-15